> MR. SPEAKER: Now, `Zero Hour'. Shri Mulayam Singh Yadav.

Title: Demand the Central Government to resign on their defeat in the State Assembly elections, price rise and deteriorating law and order situation in the Country.

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल): अध्यक्ष महोदय, हमने यह मांग की थी कि चार राज्यों के चुनावों के नतीजे के बाद प्रधान मंत्री जी को इस्तीफा देना चाहिए। ... (व्यवधान)

श्री अशोक प्रधान (खुर्जा) : पहले आप अपनी हालत तो देखिए। आप बताइए कि आप कहां खड़े हैं।

... (व्यवधान)

आपको इस बात को कहने का अधिकार नहीं है। इस्तीफा तो आपको देना चाहिए।

SHRI TAPAN SIKDAR (DUMDUM): Sir, this is not a `Zero Hour' matter. How can he raise such a matter in `Zero Hour'? ....(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have allowed him.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seats. I have allowed him.

श्री मुलायम सिंह यादव :महोदय, हमने जो कहा उसकी एक वजह है कि इस्तीफा क्यों देना चाहिए। इस संबंध में हम आपके सामने तथ्य रखना चाहते हैं। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि सदन के अन्दर अविश्वास प्रस्ताव ले आइए और बहुमत सिद्ध कीजिए। मैं कहना चाहता हूं, जब चारों विधान सभा चुनाव में जनता ने ही पूरी तरह से इस सरकार को अस्वीकार कर दिया है, तो इस सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोई आवश्यकता नहीं है। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बोलने के लिए मौका मिलेगा।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Mulayan Singh Yadav speaks.
(Interruptions) ... (Not recorded)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदय, बढ़ती हुई महंगाई

... (व्यवधान)

SHRI TAPAN SIKDAR : We will not allow him to say all this because this is not a `Zero Hour' matter. He cannot say this. ....(Interruptions)

DR. SUBRAMANIAN SWAMY (MADURAI): How can he say that he will not allow?

....(Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats. I have allowed him.

... (Interruptions)

SHRI TAPAN SIKDAR : This is not a `Zero Hour' matter.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY :They are showing a fascist character by saying that they would not allow him to speak. Let him speak.

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि जनता ने इसलिए स्वीकार किया क्योंकि महंगाई बढ़ी है और यह मामूली महंगाई नहीं है। उत्पादन में ६ऽ कमी आई है और महंगाई ६०० प्रतिशत बढ़ी है। यह केवल आलू, प्याज,दालें तथा तेल का मामला नहीं है, चाहे टमाटर हो या नमक हो, सारी की सारी चीजों के दाम बढ़े हैं। महंगाई के कारण देश में सब लोगों की क्या हालत है। पूरा देश महंगाई से परेशान है।

... (व्यवधान)

आप अगर कबड्डी खिलवाना चाहते हैं तो हम कबड्डी खेलना जानते हैं।

श्री शकुनी चौधरी (खगड़िया): दूध की कीमत कितनी बढ़ी है?

... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Nothing will go on record except the speech of Shri Mulayam Singh Yadav. (Interruptions)*

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल): महोदय, इस महंगाई के कारण आज हिन्दुस्तान में कम से कम ४८ फीसदी लोग एक समय खाना खाने के लिए मजबूर हो गए हैं। फिर उसको स्वीकार न करना, यह कहना कि बेमौसम की वजह से महंगाई बढ़ गई है, यह कोई तर्क नहीं है। बल्कि यह कुतर्क है।

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, इलैक्शन हो गए हैं।

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल): प्रधानमंत्री जी कह रहे हैं कि बेमौसम के कारण इन्द्र देव नाखुश हो गए इसलिए बाढ़ आ गई तथा महंगाई बढ़ गई, अगर महंगाई घट गई तो प्रधानमंत्री जी खुश हो गए तो यह नहीं चलेगा। आपको इसे अकेले स्वीकार करना पड़ेगा। तब इन्होंने कहा था कि सितम्बर के महीने तक अर्थव्यवस्था पूरी की पूरी ठीक हो जाएगी लेकिन पूरी की पूरी अर्थव्यवस्था खराब हो गई और इसे जनता ने स्वीकार किया है। जहां तक कानून-व्यवस्था का सवाल है कि पूरे देश की कानून-व्यवस्था भंग हो गई है । उग्रवाद और हत्याएं बढ़ी हैं।

... (व्यवधान)

ग्रह मंत्री जी कहते हैं कि हमारी जान को खतरा है। हो सकता है कि खतरा हो।

... (व्यवधान)

जब ग्रह मंत्री जी स्वीकार करते हैं कि हमारी जान को खतरा है, जब हमारे देश के ग्रह मंत्री

---

* Not Recorded

जी ही सुरक्षित नहीं है तो देश की आम जनता की क्या हालत होगी। इससे ज्यादा सबूत अन्य क्या हो सकता है। अब हम मांग करते हैं कि अगर जरा भी शर्म और नैतिकता है तो इस सरकार को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

... (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, he is the Leader of his Party. You have allowed him to speak. These super-speakers should be controlled.

श्री मुलायम सिंह यादव : सत्ता का दुरुपयोग करके लालू प्रसाद जी और तमाम अन्य लोगों को जेल में डाल रखा है। प्रधानमंत्री जी बिहार में जाकर कहते हैं कि 'बिहार में माफिया राज ' है माफिया राज उत्तर प्रदेश में है, जहां १९-१९ माफिया मिनिस्टर बने हुए हैं। लूट-पाट और भ्रष्टाचार सब हो रहा है। इसी तरह खेती, चीनी और सभी उद्योग बर्बाद हो गए। चीनी पाकिस्तान से खरीदी जा रही है और यह पता चल रहा है, यह भी सच्चाई है, कहा जाता है कि पाकिस्तान के प्र ाधानमंत्री, श्री नवाज शरीफ के चीनी मिल की चीनी खरीदी जा रही है।

... (व्यवधान)

यह भी सुना है कि यहां के भारतीय जनता पार्टी के एक नेता हैं, जिनके रिश्तेदार के माध्यम से चीनी आयात की जा रही है

... (व्यवधान)

यह पूरे सदन का मामला है। नतीजा यह हो रहा है कि हमारा पूरा का पूरा उद्योग, खेती खत्म हो रही है। हमारा पूरा गन

जा रहा है, किसान बर्बाद हो रहा है, यह हमारा सीधा-सीधा आरोप है।

(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I would like to speak.
MR. SPEAKER: Shri Somnath Chatterjee, I will allow you after Shri Shiv Shankar.

श्री मुलायम सिंह यादव : पूरे का पूरा चीनी उद्योग बर्बाद किया जा रहा है। राबड़ी देवी जी की सरकार को बार-बार बर्खास्त करने की धमकी देने का यह नतीजा है कि चारों की चारों सीटें ये हार गए और दूसरी पार्टी जीत गई।

... (व्यवधान)

द्वारा जारी

श्री मुलायम सिंह यादव जारी हमारी वजह से तो आप जीत गये हैं।

... (व्यवधान)

पूरे देश में ईसाईयों पर तथा कर्नाटक में सूफी सन्तों पर हमले होने से पूरे भारत में तनाव पैदा कर दिया गया है।

MR. SPEAKER: I have received notices with regard to that.

श्री मुलायम सिंह यादव : हिंदू और मुसलमानों की एकता के प्रतीक, अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के अली मियां जैसे धार्मिक नेता के घर पर छापा मारा गया। क्या लोग इसको बर्दाश्त करेंगे? यह कह कर छापा मारा गया कि वे पाकिस्तानी एजेंट हैं। ईसाई, मुसलमान, पिछड़े, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के लोगों की हत्याएं हो रही हैं और लालू प्रसाद यादव को राजनीतिक दुश्मनी के चलते जेल में डाला गया। इसी का नतीजा आपको चुनावों में भुगतना पड़ा है। मेरा कहना है कि अगर जरा भी शर्म है तो आपको इस्तीफा दे देना चाहिए।

... (व्यवधान)

वंदे मातरम् का आप राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं। पोखरण का जो विस्फोट हुआ उसका पोस्टर हमने राजस्थान में लगा देखा है। यह हमारे वैज्ञानिकों की वर्षों की खोज का नतीजा है, उनकी यह उपलब्धि है लेकिन राजस्थान के चुनावों में हमने इसके पोस्टरों को लगा देखा है। यह आर.आर.एस. और भाजपा के लोगों ने पोस्टर लगाए हैं। जनता ने इनको अस्वीकार कर दिया है, इसलिए ये हारे हैं।

स्कूलों के पाठयक्रम बदले जा रहे हैं, शिक्षा-पद्धति बदली जा रही है।

... (व्यवधान)

आज पाठ्य-पुस्तकों में जो लिखा जा रहा है वह भारत को तोड़ने की कोशिश की जा रही है।

श्री चेतन चौहान : आप इस समय एक ही विषय पर बोल सकते हैं।

श्री मुलायम सिंह यादव : जनता ने इनको अस्वीकार कर दिया है। हमारा कहना है कि तीन महीनों के बाद आपको इस बात का और पता चल जाएगा। इसलिए मैं कहता हूं कि मुलायम सिंह का साथ दो।

SHRI TAPAN SIKDAR (DUMDUM): There was no raid ... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Mulayam Singhji, please conclude now. ... (

व्यवधान)

किसानों को बर्बाद किया जाएगा, डी.ए.पी. मिलेगी नहीं। मैं पूछना चाहता हूं कि बुवाई के कितने दिन रह गये हैं। बुवाई के केवल १० दिन बचे हैं। क्या डी.ए.पी. दस दिनों में आ जाएगी। हमको आप क्यों मूर्ख बना रहे हैं। यूरिया भी नहीं है। इस तरह से अन्न का उत्पादन घटेगा तो उसको भी आप बाहर से मंगाएंगे। अपनी ि वदेश नीति के कारण आपने सारे लोगों को हमारे खिलाफ इकट्ठा कर दिया है। आप अमरीका के हाथों में खेल रहे हैं। आपका एक स्वदेशी जागरण मंच है

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, क्या आप प्राइस-राइज पर डिस्कस कर रहे हैं?

श्री मुलायम सिंह यादव : आपके उस जागरण मंच का भी कहना है कि आप अमरीका के हाथों में खेल रहे हैं। आज भारत की अर्थव्यवस्था को खतरा है, भारत के स्वाभिमान को आज सबसे ज्यादा चोट पहुंची है। इसलिए अगर इस सरकार को जरा भी शर्म और नैतिकता है तो तत्काल इस सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिये।

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansji, one minute please. I would call your name also. Shri Shiv Shankar, do you want to say something on the same point?
... (Interruptions)
SHRI P. SHIV SHANKER (TENALI): No ... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Then, the Minister for Parliamentary Affairs would say something.
... (Interruptions)
SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I would like to say something
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Shiv Shankarji, you want to raise a different point but Shri Somnathji wants to raise something on the same point. Let him speak first.
... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। मैं नियम ५६ पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, you are a member on the Panel of Chairmen. You should be aware that there is no Point of Order during `zero hour'. Please take your seat.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह :मेरी प्रार्थना है कि सदन नियम से चले। मैं नियम ५६ के अन्तर्गत आपकी व्यवस्था चाहता हूं।

... (व्यवधान)

मैने पहले आपका आदेश मान कर आसन ग्रहण किया। अब मुझे इस विषय पर बोलने की इजाजत दी जाए। मेरा स्थगन प्रस्ताव नियम ५६ के अधीन है। मैं महंगाई के सवाल पर कुछ कहना चाहता हूं। देश में पिछले कुछ दिनों से महंगाई बहुत बढ़ी है। इसके चार बिन्दु हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, please take your seat.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, please understand the situation.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : मेरा निवेदन है कि इस पर व्यवस्था दी जाए। इसके बाद कुछ निर्णय हो सकता है। नियम कह रहा है

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप पहले बैठिए।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : नियम कहता है कि प्रश्नोत्तर काल के बाद और अन्य विषय लेने से पहले स्थगन प्रस्ताव लिया जाता है। महंगाई के मामले में सरकार घोर विफल रही है। यह विषय स्पैसिफिक है।

... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : इन्होंने इसके द्वारा अपने समर्थकों के लिए तीन हजार करोड़ रुपए से साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए मुनाफा कमाया।

... (व्यवधान)

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Sir, I have also given notice for Adjournment Motion.
MR. SPEAKER: Please take your seat. I will explain the position.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि मेरे एडजर्नमैंट मोशन को आप स्वीकार करेंगे या अस्वीकार करेंगे?

... (व्यवधान)

आप पहले मेरी बात सुन लें। इस समय मेन इशू महंगाई का है। इन्होंने असैंशियल कमोडिटीज एक्ट को समाप्त कर दिया। इन्होंने एक खास वर्ग का इसमें पक्ष लिया। यह सरकार की घोर विफलता है।

... (व्यवधान)

हमें एडजर्नमैंट मोशन का जवाब चाहिए।

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.
(Interruptions)*
SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Sir, what happened to our notice for Adjournment Motion on rising prices of essential commodities?
MR. SPEAKER: I am coming to it.
DR. SHAKEEL AHMAD (MADHUBANI): Sir, what about our `zero hour' issue?
MR. SPEAKER: I have received notices for Adjournment Motion from Shri Arif Mohammad Khan, Shri Mohan Singh, Shri Raghuvansh Prasad Singh on rising prices. The subjects are of utmost importance. Today we have the meeting of Business Advisory Committee at 4 p.m. We will discuss all these notices in that meeting and finalise the time.

श्री मोहन सिंह (देवरिया): क्या आपने उसे स्वीकार किया?

... (व्यवधान)

PROF. P.J. KURIEN (MAVELIKARA): We have also given notice.
MR. SPEAKER: Yes, the Congress Party has also given notice.

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): We have also given notice on price rise.

MR. SPEAKER: Yes, all Parties have given notices on this subject.

DR. T. SUBBARAMI REDDY (VISAKHAPATNAM): I have also given notice for Adjournment Motion.

PROF. P.J. KURIEN : You should have mentioned all the names.

MR. SPEAKER: Shri Kurien has also given notice.

---

* Not Recorded.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE ; We have also given notice. Many notices have been given on this very important subject.

PROF. P.J. KURIEN : We wanted to raise this issue on the very first day of this Session but we could not do so because the House was not in order on that day.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Speaker, Sir, I feel that this highest forum in the country should formally take notice of the verdict of the people in the last Assembly elections. I think we shall be failing in our duty to consider it as a mere routine by election. Within eight months of this Government coming to power, the economic situation in the country has become so precarious that today, as rightly said, many people are not getting two square meals a day.

An unprecedented price rise has taken place and we have been watching for the Government to take some action. Nothing was done. Not a single hoarder, black marketeer or profiteer was proceeded with, and the people had to undergo a tremendous hardship and misery of such nature which even did not seem -- what was shocking -- to bother this Government at all. It was very difficult to believe whether this Government had a mind or any conscience.

This is a vote for India's unity and integrity. This is a clear verdict against those who are trying to destabilize India's unity and integrity. We must salute the people of those States who participated in these elections for a very clear verdict against forces of disunity and destruction.

Sir, the economic situation in this country is such that the Finance Minister has to go before the World Economic Forum -- we saw in today's newspaper -- making a laughing stock of the whole country. They are even prostrating at the feet of some people who are trying to dictate terms to this country. Sir, there is a competition between the two Jaswants -- I saw in the paper -- as to who will show greater obeisance to them. What is happening to our country? They talk of swadeshi and then do something opposite. Which direction our country's economy is going, nobody knows. The industrial production is around one per cent. The agricultural production is showing a negative growth. Even the small-scale sector is under greatest pressure and it is being treated as a Party matter by these people.

Sir, today I had the privilege of appearing on one of the telecast. Shri K.R. Malkani was there. He was even saying that the CIA was responsible for this. This is the state of affairs in their Party. I do not wish to divulge what is said to us in confidence. But this is a shocking state of affairs.

What happened with the Education Policy? Within two months they want to capture the whole thing... (Interruptions)

श्री चमन लाल गुप्त (ऊधमपुर): यह लेक्चर हो रहा है क्या?

श्री सोमनाथ चटर्जी : यह तो लेक्चर की ही जगह है।

Sir, what is happening? The important institutions like Council of Historical Research are being taken over, not for the purpose of improving their facilities or conditions of research there, but only to saffronise them. They are taking political control of these organization and it is expected that the people will tolerate this and the Parliament will sit quiet!

Therefore, I feel that this Government has no sense of respect for the people. This massive mandate should make them think, and I should have expected this from him. Shri Vajpayee talks of morality in politics, ethics in politics. But what a motley combination he has got! All sorts of unprincipled coalition. Today, propriety is at

stake. What has been sacrificed in this country is political propriety. It is the question of the well being of the people. Who is running this country, we do not know. Therefore, if he really
believes in ethical politics or politics of morality, he should come and tender his resignation.

Sir, I want to make it clear that I am not trying to destabilize this country. Today, as rightly said, if one leader shows unhappiness, one Minister flies to Chennai, and then if another leader shows unhappiness, the Defence Minister goes to Calcutta to assuage their feelings.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : What is happening? The so-called `Coordination Committee' is not functioning. After all, this country has to be saved. There is a deep morass of economic problems in this country. This Government does not show any direction at all. No attempt is being made. Therefore, the sooner this Government goes the better.

I am not trying to force a mid-term election in this country. We are not trying to destabilize them; they are destabilizing themselves. But in the process the country should not be taken to rack and ruin. Therefore, I request and demand that this Government should go. I can assure you that not a tear will be shed in the country if this Government goes.

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): अध्यक्ष जी, इस समय श्री मुलायम सिंह जी ने और चटर्जी दादा ने

... (व्यवधान)

DR. SUBRAMANIAN SWAMY : Will you please ask him to sit down?

MR. SPEAKER: The hon. Minister is on his legs.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY : Will you ask him to sit down? I will take only a minute.

MR. SPEAKER: He is already on his legs.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY : But you can direct him to sit down.

MR. SPEAKER: Mr. Minister, are you yielding?

SHRI MADAN LAL KHURANA : No.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY : He will not yield. He is so scared that he will not yield to me.

You resign and go. That is all I am asking you to do.

श्री अजीत जोगी (रायगढ़): आपने दो करोड़ आदिवासियों के साथ धोखा किया है। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Jogi, please take your seat.

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE (PANSKURA): Sir, I require only one minute.

MR. SPEAKER: He is already on his legs. I will allow you after he finishes.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY : Sir, will you allow me after him?

श्री मदन लाल खुरानाः श्री यादव जी और चटर्जी दादा ने जो बातें यहां कही हैं, उन पर मेरा कहना यह है कि

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have allowed Shri Khurana. Nothing will go on record except what Shri Khurana says. (Interruptions)*

MR. SPEAKER: I will allow you after him. Please take your seat.

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, अगर यह सवाल कांग्रेस ने उठाया होता तो मेरा दूसरा जवाब होता, उनको हक था, चूंकि वे जीते हैं। लेकिन यह सवाल श्री मुलायम सिंह जी या चटर्जी दादा ने उठाया है, इनसे यह पूछिये कि इन तीनों राज्यों में आपकी कितनी जमानतें बची हैं। आपका जीतना तो बहुत दूर की बात है, आपकी जमानतें कितनी बची हैं, पहले आप यह देखिये।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी (दरभंगा): आपकी हुकूमत कहां है?

श्री मदन लाल खुरानाः आप सैंन्टर की बात करते हैं, आपकी मिली-जुली सरकार थी ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Fatmi, I have allowed Shri Khurana. This is not proper. Please take your seat.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Nothing will go on record.
(Interruptions)*

श्री मदन लाल खुरानाः जब आपका राज था तब आप पंजाब में हारे, हिमाचल प्रदेश में हारे, यू.पी. में हारे, उत्तर प्रदेश में हारे

... (व्यवधान)

* Not Recorded
MR. SPEAKER: Let him reply. Please sit down.

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, यह तरीका ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing except the Minister's speech will go on record.
(Interruptions) *
MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, this is too much. Please let him complete.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Fatmi, I have allowed the hon. Minister. Please take your seat. I have not allowed you.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Jogi, please sit down.

श्री मदन लाल खुरानाः मेरा यह कहना है कि इनको नैतिकता की दुहाई देने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि जब ये सैंटर में थे उस समय भी इनकी सरकारें हारी थीं। यहां बैठे हुए भूतपूर्व प्रधान मंत्री जी कुछ कहते, जिनको आप लोग सपोर्ट देते रहे हैं

... (व्यवधान)

मुझे आपसे ऐसी आशा नहीं थी।

... (व्यवधान)

श्री खुराना जारी अध्यक्ष महोदय, जहां तक महंगाई का सवाल है

... (व्यवधान)

अगर इनमें इतनी हिम्मत है तो ये कोई मोशन लायें।

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया): हमने मोशन दिया हुआ है। ... (

Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Fatmi, please take your seat.
... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुना: जहां तक महंगाई की बात इन्होंने कही है, तो परसों जब आपके कमरे में सभी दलों के नेताओं की बैठक हुई तो उस समय भी मैंने कहा था कि आप जिस इश्यू के बारे में कहेंगे, चाहे महंगाई के बारे में हो, रेल एक्सीडेंट के बारे में हो या अन्य किसी के बारे में हो। (

Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Fatmi, what is this? You may take your seat.
... (Interruptions)
* Not Recorded.

श्री मदन लाल खुराना: अध्यक्ष महोदय, हमने आठ इश्यू दिये। हमने कहा कि जिस इश्यू पर कहें, उस पर हम बहस कराने के लिए तैयार हैं। हम बहस से पीछे नहीं हटते।

आपने तीसरी बात लालू जी की गिरफ्तारी के संबंध में कही थी। लालू जी हमारे इस सदन के माननीय सदस्य हैं लेकिन सभी जानते हैं कि उनकी जो गिरफ्तारी हुई है, वह सुप्रीम कोर्ट के आर्डर से हुई है।

... (व्यवधान)

सुप्रीम कोर्ट का आर्डर ... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : आपकी होम मिनिस्ट्री क्या कर रही है? ... (व्यवधान) होम मिनिस्ट्री से कैसे डायरेक्टिव्स जा रहे है? सी.बी.आई. पर किस तरह से दबाव डाले जा रहे हैं, इन सबके बारे में आप क्यों नहीं बताते? आप इसे बताने का काम करें।

... (व्यवधान)

माफिया राज के बारे में किसने कहा? ... (व्यवधान) आपके प्रधान मंत्री जी ने कहा।

... (व्यवधान)

किसने रेकमेंड किया था

... (व्यवधान)

आपको शर्म नहीं आती

... (व्यवधान)

बिहार सरकार को बरखास्त करने की डिमांड किसने की थी

... (व्यवधान)

आपके प्रधान मंत्री जी ने की। क्या आपकी समझ में यह बात नहीं आती।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः यह कहना कि सुप्रीम कोर्ट होम मिनिस्ट्री के आर्डर से चलती है, यह तो ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : आपने ही भेजा है।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे प्रोटेक्शन चाहता हूं।(

Interruptions)
MR. SPEAKER: I have allowed the Minister. What is this? Shri Fatmi, you are a senior Member. Please take your seat. I have not allowed you.
... (Interruptions)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : आपकी सरकार की वजह से वह जेल के अंदर हैं। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.
(Interruptions)*
* Not Recorded.

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष महोदय, चौथी बात इन्होंने पाकिस्तान से चीनी इम्पोर्ट करने के बारे में कही है।

... (व्यवधान)

PROF. P.J. KURIEN :Sir, the Minister can reply after hearing all the hon. Members.

श्री मदन लाल खुरानाः हमारे ऊपर चार्ज लगता है। (व्यवधान)

PROF.P.J.KURIEN : There are other hon. Members who want to say something. Why should he intervene now? Sir, he may listen to the other hon. Members and he can reply to them after that ....(Interruptions)

श्री मदन लाल खुरानाः मेरा कहना है कि पाकिस्तान से चीनी का इम्पोर्ट आपके समय से हो रहा है। जैसा मैंने अभी कहा कि हम तो हिन्दुस्तान के किसान को प्र ोटेक्ट करने के लिए, चीनी का जो इम्पोर्ट हो रहा है, उस पर एक्शन लेने जा रहे हैं। आपके टाइम से यह सारा हुआ है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Shiv Shanker.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY :Sir, are you allowing him on this issue?

MR. SPEAKER: I have allowed Shri Shiv Shanker.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY : But he is on some other issue.

MR. SPEAKER: I have allowed Shri Shiv Shanker. Please take your seat.

श्री आरिफ मोहम्मद खां (बहराइच) : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी मोशन है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : एडजर्नमैंट मोशन के बारे में हमने समाधान दिया है।

SHRI P. SHIV SHANKER :Mr. Speaker, Sir, I rise with anguish ... (Interruptions)
MR. SPEAKER: I have called Shri Shiv Shanker. Please take your seat.
... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मैं सबको चांस दूंगा।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Buta Singh, you may speak after his submission. Every time you are doing this.
... (Interruptions)
SHRI BUTA SINGH (JALORE): Sir, you have not followed the procedure. ... (Interruptions)
MR. SPEAKER: I am following the procedure. Please take your seat.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: I am following the procedure. Please take your seat. I have called Shri Shiv Shanker.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Nothing will go on record.
(Interruptions)*